ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, मंगलवार 14 अप्रैल 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 12

सुशासन बाबू के शासन का अंत, सम्राट नए मुख्यमंत्री, NDA की बैठक में सर्वसम्मति से चुने गए नेता

24 न्यूज अपडेट

पटना। बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव के तहत सम्राट चौधरी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) और NDA विधायक दल की संयुक्त बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से नेता चुना गया, जिसके बाद उन्होंने राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही बिहार के राजनीतिक इतिहास में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है।

NDA बैठक में हुआ औपचारिक चयन

पटना स्थित विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित NDA विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा गया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं उनके प्रस्तावक बने। उन्होंने सम्राट चौधरी को माला पहनाकर समर्थन जताया और विधायकों से तालियां बजवाकर उनका स्वागत कराया। नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति की सीख नीतीश जी से ही ली है और अब बिहार के विकास को आगे ले जाना उनकी प्राथमिकता होगी।

नीतीश कुमार ने दिया इस्तीफा

इसी राजनीतिक घटनाक्रम के बीच नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि नई सरकार बिहार की जिम्मेदारी संभालेगी और उन्हें उसका पूरा सहयोग रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के विकास की यात्रा आगे भी जारी रहेगी।

दिनभर के प्रमुख घटनाक्रम

दिन की शुरुआत सुबह 9 बजे जेडीयू नेताओं की मुख्यमंत्री आवास पर बैठक से हुई, जिसमें संजय झा, ललन सिंह और विजय चौधरी शामिल रहे। सुबह 11 बजे नीतीश कैबिनेट की अंतिम बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। दोपहर तक राजनीतिक हलचल तेज हो गई और दोपहर करीब 3:15 बजे नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। इसके कुछ ही मिनट बाद उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सम्राट चौधरी को नेता चुना गया। राजनीतिक हलकों में इसे बिहार की सत्ता में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। NDA नेतृत्व ने दावा किया है कि नई सरकार विकास और सुशासन की दिशा में काम करेगी। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं और पूरे कार्यक्रम पर राज्य की निगाहें टिकी हुई हैं।

मार्च 2026 में भारतीय ऑटो बिक्री में भारी उछाल, टू-व्हीलर्स ने दर्ज की शानदार बढ़त

24 न्यूज अपडेट

भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए पिछला वित्त वर्ष एक बड़ी उपलब्धि के साथ समाप्त हुआ है. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में भारतीय वाहन उद्योग ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों में दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की है. बाजार की इस शानदार रफ्तार का नेतृत्व मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों ने किया है.

टू-व्हीलर सेगमेंट में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि

मार्च 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोपहिया वाहन सेगमेंट इस विकास का सबसे बड़ा स्तंभ बनकर उभरा है. इस महीने कुल 19,76,128 दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई, जो मार्च 2025 में बेची गई 16,56,939 इकाइयों के मुकाबले 19.3 प्रतिशत अधिक है.

दिलचस्प बात यह है कि इस सेगमेंट के भीतर स्कूटरों की मांग मोटरसाइकिलों की तुलना में कहीं अधिक रही. स्कूटरों की बिक्री में 29.8 प्रतिशत की भारी उछाल देखी गई, जो बढ़कर 7,61,422 यूनिट्स तक पहुंच गई. वहीं, मोटरसाइकिलों की बिक्री भी 12.9 प्रतिशत की स्वस्थ दर से बढ़कर 11,68,514 यूनिट्स रही. विशेषज्ञों का मानना है कि शहरी क्षेत्रों में स्कूटरों की बढ़ती लोकप्रियता और नए मॉडल्स की लॉन्चिंग ने इस तेजी को हवा दी है.

पैसेंजर व्हीकल्स और थ्री-व्हीलर्स का प्रदर्शन

पैसेंजर व्हीकल (PV) सेगमेंट में भी उपभोक्ता मांग काफी मजबूत बनी हुई है. मार्च 2026 में कुल 4,42,460 पैसेंजर गाड़ियां बिकीं, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है. यह आंकड़ा न केवल नई कारों के प्रति ग्राहकों के बढ़ते रुझान को दिखाता है, बल्कि मैन्युफैक्चरर्स द्वारा समय पर नई गाड़ियों की डिलीवरी सुनिश्चित करने को भी दर्शाता है.

इसके अलावा, थ्री-व्हीलर सेगमेंट ने भी 21.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,273 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की. यह वृद्धि सार्वजनिक परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों का संकेत है.

हालांकि इन आंकड़ों में बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज-बेंज और जगुआर लैंड रोवर (JLR) जैसे लग्जरी ब्रांडों की बिक्री शामिल नहीं है, लेकिन फिर भी ओवरऑल मार्केट सेंटीमेंट बेहद सकारात्मक है. वित्त वर्ष का सुखद अंत यह दर्शाता है कि भारत का ऑटो सेक्टर रिकवरी के बाद अब पूर्ण विकास की राह पर है. नई तकनीकों और इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के बढ़ते विकल्पों ने भी ग्राहकों को शोरूम तक खींचने में बड़ी भूमिका निभाई है.

हाईकोर्ट ने पीजी काउंसलिंग में बाहरी आरक्षित अभ्यर्थियों को राहत से किया इनकार

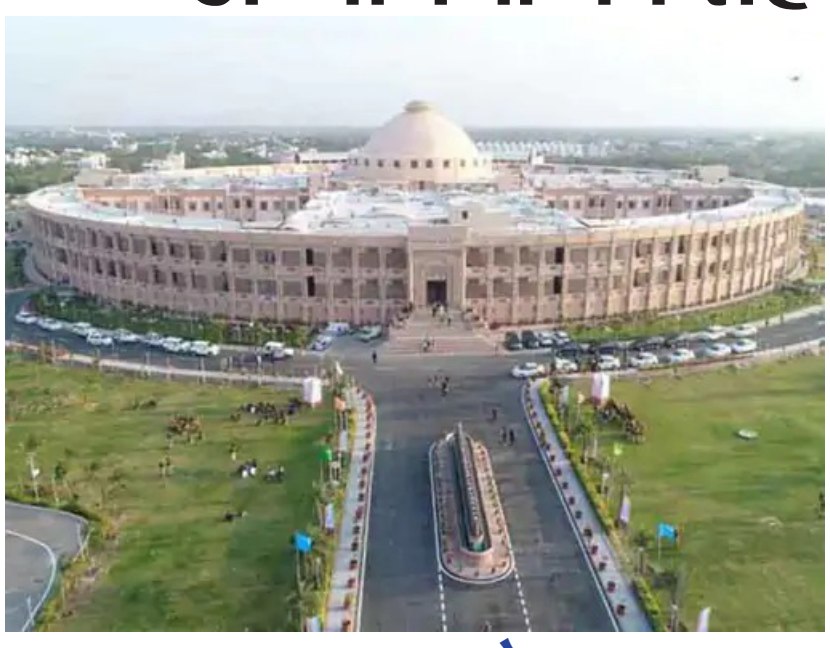

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर मुख्यपीठ ने नीट पीजी राज्य कोटा काउंसलिंग से जुड़े एक महत्वपूर्ण और रिपोर्टेबल फैसले में स्पष्ट कर दिया है कि एक राज्य का आरक्षण दूसरे राज्य में लागू नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि राज्य कोटा की आरक्षण व्यवस्था पूरी तरह "राज्य-विशिष्ट" है और इसमें बाहरी राज्यों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। यह फैसला जस्टिस संजीत पुरोहित की एकलपीठ ने फेडरेशन ऑफ प्राइवेट मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज ऑफ राजस्थान की याचिका को खारिज करते हुए दिया। याचिका में 18 फरवरी 2026 के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी, जिसमें स्ट्रे वैकेंसी राउंड में अन्य राज्यों के आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को रियायती कट-ऑफ का लाभ देने से इनकार किया गया था।

उदयपुर के निवासी की याचिका और पक्षकारों की दलीलें

यह याचिका उदयपुर के देबारी निवासी पुनीत मखीजा द्वारा फेडरेशन के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम.एस. सिंघवी सहित अन्य वकीलों ने दलील दी कि सीटें खाली रह जाना "राष्ट्रीय संसाधनों की बर्बादी" है, और रियायती कट-ऑफ के बावजूद बाहरी आरक्षित उम्मीदवारों को अवसर न देना व्यवहारिक रूप से 100 प्रतिशत मूल निवास आधारित आरक्षण जैसा है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि जब आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं रहते और सीट अनारक्षित हो जाती है, तो ऐसे में बाहरी आरक्षित उम्मीदवारों को भी रियायती कट-ऑफ का लाभ मिलना चाहिए।

राज्य सरकार का पक्ष

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता और अन्य वकीलों ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि 18 फरवरी का निर्णय कोई नया नियम नहीं, बल्कि पहले से मौजूद काउंसलिंग बुकलेट के क्लॉज का स्पष्टीकरण मात्र है। सरकार ने स्पष्ट किया कि आरक्षण केवल राजस्थान के मूल निवासियों के लिए लागू है और बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी अपने मूल राज्य की आरक्षण व्यवस्था का लाभ वहां ही ले सकते हैं। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि एक राज्य में आरक्षित श्रेणी का दर्जा दूसरे राज्य में मान्य नहीं हो सकता।

कोर्ट का विश्लेषण और निर्णय

अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 341, 342 और 342A का विस्तृत विश्लेषण करते हुए कहा कि इन प्रावधानों में स्पष्ट रूप से "उस राज्य के संबंध में" शब्दों का प्रयोग किया गया है, जो यह दर्शाता है कि आरक्षण राज्य-आधारित व्यवस्था है। कोर्ट ने कहा कि यदि बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों को भी रियायती कट-ऑफ का लाभ दिया जाता है, तो यह उस राज्य के वास्तविक पात्र अभ्यर्थियों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। साथ ही, अदालत ने यह भी माना कि सीटें खाली न रहें, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके लिए संवैधानिक प्रावधानों से बाहर जाकर कोई व्यवस्था नहीं की जा सकती।

अहम टिप्पणी

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि बाहरी राज्य के अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी की कट-ऑफ (103 अंक) के आधार पर अनारक्षित सीटों के लिए पात्र रहेंगे, लेकिन उन्हें अपने राज्य के आरक्षण का लाभ अन्य राज्यों में नहीं मिल सकता।

जनवरी-मार्च में गोल्ड ETF में 31,561 करोड़ का निवेश:इसमें बीते 1 साल में 64% तक का रिटर्न मिला

24 न्यूज अपडेट

2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (गोल्ड ETFs) में निवेशकों ने 31,561 करोड़ रुपए का निवेश किया है। ये दिसंबर 2025 तिमाही के मुकाबले 36% ज्यादा है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में गोल्ड ETF में 23,132 करोड़ रुपए का निवेश आया था।

यह पिछले साल की जनवरी-मार्च तिमाही के मुकाबले करीब 6 गुना ज्यादा निवेश आया है। साल 2025 की पहली तिमाही में यह निवेश मात्र 5,654 करोड़ रुपए था। जियोपॉलिटिकल तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक अब सुरक्षित संपत्ति के रूप में सोने पर ज्यादा भरोसा जता रहे हैं। गोल्ड ETF में 1 साल में 64% तक का रिटर्न मिला है।

पेट्रोल 18 और डीजल 35 तक महंगा हो सकता है:बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम, तेल कंपनियां नुकसान में

24 न्यूज अपडेट

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां

कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

भारत 88% कच्चा तेल आयात करता है

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45% मिडिल ईस्ट और 35% रूस से आता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों, बल्कि देश के चालू खाता घाटे (CAD) के लिए भी खतरा हैं। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

9 साल में एक्साइज ड्यूटी 22% से 8% हुई

सरकारी राजस्व में तेल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में यह 22% था, जो अब घटकर सिर्फ 8% रह गया है। अगर सरकार पूरी एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तो भी मौजूदा कीमतों पर तेल कंपनियों का घाटा पूरी तरह खत्म नहीं होगा।

अमेरिका सहित कई देशों ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम

अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमतें अगस्त 2022 के बाद पहली बार 4 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई हैं। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका सहित कई पड़ोसी देशों ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : शांति के बजाय

करीब डेढ़ महीने बाद बहुत मुश्किल से पहले युद्धविराम और फिर शांति की राह तैया करने के मकसद से ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता की गुंजाइश बनी थी । अतीत से लेकर वर्तमान तक दोनों देशों के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसमें अचानक ही सब कुछ पटरी पर आ जाने की बहुत ज्यादा उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन कम से कम युद्ध रुकने और दीर्घकालिक हल निकालने के लिए संवाद कायम रखने की गुंजाइश जरूर बनी थी। अफसोस की बात यह है कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता के विफल होने के बाद बातचीत के जरिए शांति की संभावना तैयार करने के बजाय एक और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से टकराव की भाषा का सहारा लेना शुरू कर दिया है, तो दूसरी ओर ईरान ने भी अपने ऊपर होने वाले हमलों का जवाब देने की बात कही है। इस बीच युद्धविराम लागू होने के बावजूद इजराइल ने लेबनान पर अपने हमले जारी रखे। ऐसी स्थिति में यह समझना मुश्किल नहीं है कि शांति प्रयासों के लिए होने वाली कवायदों और स्थायी हल निकालने की कोशिशों के सामने कैसी चुनौती खड़ी हो सकती है। गौरतलब है कि ईरान के साथ वार्ता के विफल होने के बाद ट्रंप ने बेहद तल्ख जुबान में कहा कि ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोल दे, नहीं तो अमेरिका समूचे इलाके की नाकेबंदी कर देगा। इसके जवाब में ईरान की ओर से कहा गया कि फारस की खाड़ी और ओमान सागर में सुरक्षा या तो सभी के लिए होगी या किसी के लिए भी नहीं । ईरान का कहना है कि अगर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, तो इस क्षेत्र का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल है कि अगर दोनों ही अपनी धमकियों पर अड़े रहते हैं, तो इसका हासिल क्या होगा। युद्ध को खत्म करने के लिए जहां नए रास्तों की तलाश की जानी चाहिए थी, वहीं पहली बैठक में मिली नाकामी के बाद दोनों ओर से हमलावर रुख का प्रदर्शन किया जा रहा है। एक आशंका यह भी पैदा हो रही है कि एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने को लेकर अगर दोनों पक्षों की भाषा में नरमी नहीं आई, तो इसका असर युद्धविराम पर भी पड़ सकता है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि अगर होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी को लेकर अमेरिका की धमकी वास्तव में अमल में आती है, तो आने वाले दिनों में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की वजह से हालात कैसे हो सकते हैं। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हुआ है, लेकिन उसने कुछ देशों को वहां से गुजरने की इजाजत दी हुई है। कुछ अन्य देशों को भी छूट देने की बात चल रही थी । अब जहां कोशिश इस बात की होनी चाहिए थी कि होर्मुज जलमार्ग को खोलने सहित अन्य मुद्दों पर टकराव को खत्म करके स्थायी शांति का रास्ता तैयार किया जाए, वहां नए सिरे से टकराव का रास्ता अख्तियार किया जा रहा है। अमेरिका की ओर से युद्ध में अपना पलड़ा भारी करने की जिद की कीमत बहुत बड़ी हो सकती है, जिसका खमियाजा वैसे देश ज्यादा उठाएंगे, जो तेल और गैस के लिए फिलहाल काफी हद तक खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दुनिया भर के देशों में तेल और गैस का एक बड़ा हिस्सा होज जलमार्ग से होकर ही गुजरता है । इसके पूरी तरह बंद होने के बाद भारत सहित दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में संकट गहरा सकता है। इसके अलावा, अगर रूस और चीन भी इस संकट की जद में आते हैं, तो एक नई जटिलता खड़ी होगी।

असंतोष की आग

देश में हर नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। यह अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से शासन- प्रशासन के समक्ष रखने का एक तरीका हो सकता है। मगर उत्तर प्रदेश के नोएडा में सोमवार को अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे श्रमिकों का प्रदर्शन जिस तरह हिंसा और आगजनी में तब्दील हो गया, वह वास्तव में चिंताजनक है। कई इलाकों में यातायात ठप हो गया, वाहनों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया और कुछ जगह पुलिस से झड़प के दौरान पत्थरबाजी भी गई । अराजकता की राह निश्चित रूप से लोकतंत्र में बाधक है, लेकिन सवाल है कि यह स्थिति क्यों और कैसे उत्पन्न हुई तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है। सरकार और जिला प्रशासन की ओर से समय रहते श्रमिकों को भरोसे में लेकर समाधान खोजने के कारगर प्रयास क्यों नहीं किए गए ? गौरतलब है कि गौतम बुद्ध नगर जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक बीते चार दिन से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन की गारंटी, समय पर पूरा वेतन, अतिरिक्त समय में काम करने पर दोगुना भुगतान तथा असंगठित एवं घरों पर सामान पहुंचाने वाले श्रमिकों को भी सामाजिक एवं रोजगार सुरक्षा के दायरे में लाना शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, प्रदेश सरकार की ओर से इनमें से कुछ मांगों को लेकर सहमति व्यक्त की गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी श्रमिक इससे संतुष्ट नहीं थे। इसमें दोराय नहीं है कि आए दिन महंगाई जिस तरह से बढ़ रही है, उससे श्रमिक वर्ग के लिए परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में कम वेतन और उसका भी समय पर भुगतान न होने से उनकी दिक्कतें और बढ़ जाती हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के भुगतान की व्यवस्था पूरी तरह लागू की जाए। साथ ही वक्त के साथ बढ़ती महंगाई के मद्देनजर कामगारों की बुनियादी जरूरतें और गरिमा के साथ जीने का अधिकार बाधित न हों। कारखानों के प्रबंधनों का भी यह दायित्व है कि वे श्रमिकों की वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों पर विचार करें और आपसी सहमति से समस्याओं को सुलझाने की दिशा में काम करे ।

इलाज मुफ्त, ठहरना महंगा, एमबी अस्पताल की धर्मशाला में गरीबों पर दोहरी मार, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर तुरंत लें संज्ञान!!

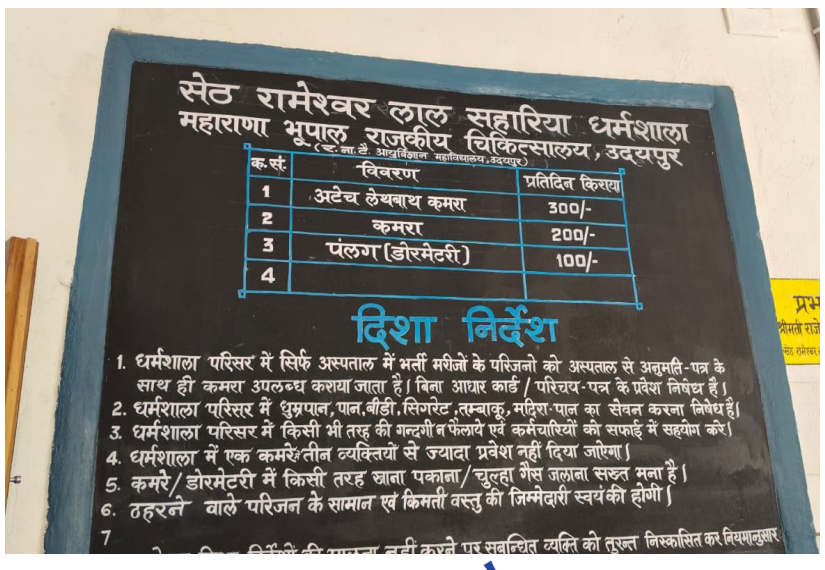

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के महाराणा भूपाल राजकीय अस्पताल में जहां एक ओर राजस्थान सरकार की योजनाओं के तहत मरीजों को निशुल्क उपचार का लाभ मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर मरीजों के परिजनों के लिए अस्पताल परिसर की धर्मशाला में ठहरना महंगा सौदा बन गया है। अस्पताल परिसर में संचालित सेठ रामेश्वर लाल सहारिया धर्मशाला, जो कभी जनसेवा का प्रतीक मानी जाती थी, अब बढ़ी हुई दरों के कारण गरीबों के लिए बोझ बनती नजर आ रही है। कभी यही धर्मशाला तीमारदारों के लिए राहत का ठिकाना हुआ करती थी जिसमें बहुत ही नोमिनल चार्ज पर कमरे, डोरमेट्री सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध थीं, दूर-दराज से आने वाले परिवारों को यहां सहारा मिलता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अटेच कमरे के लिए 300 रुपये प्रतिदिन, सामान्य कमरे के लिए 200 रुपये और डोरमेट्री के एक पलंग के लिए 100 रुपये हर दिन के वसूले जा रहे हैं। ये दरें उन परिवारों के लिए बहुत ज्यादा भारी हैं, जो पहले ही इलाज के दौरान आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहे होते हैं। विडंबना यह है कि अस्पताल में इलाज तो मुफ्त है, लेकिन मरीज के साथ रहने की कीमत वसूली जा रही है। सवाल यह उठता है कि जब सरकारी अस्पतालों का मूल उद्देश्य जनकल्याण है, तो फिर यह 'मुनाफे का मॉडल' किसके हित में काम कर रहा है? धरातल पर स्थिति और भी गंभीर है। बढ़ी हुई दरों के कारण कई परिजन धर्मशाला का खर्च वहन नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन्हें खुले में या अस्पताल के गलियारों में रात बितानी पड़ती है। यह न केवल असुविधाजनक है, बल्कि असुरक्षित भी। हाल ही में सामने आया नाबालिग बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है। घटना में बच्ची अपने पिता के इलाज के दौरान दादी के साथ अस्पताल परिसर में ही रह रही थी। यदि उसे सुरक्षित और सस्ती ठहरने की व्यवस्था मिल पाती, तो संभवतः उसे सुलभ कॉम्प्लेक्स तक अकेले जाने की नौबत नहीं आती। याने सिस्टम की पूरी की पूरी संवदेनाएं मर चुकी हैं। अस्पताल प्रशासन की जिम्मेदारी केवल इलाज तक सीमित नहीं हो सकती। तीमारदारों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधा भी उतनी ही जरूरी है। धर्मशाला का निर्माण पब्लिक वेलफेयर के लिए किया गया था ना कि राजस्व बढ़ाने के लिए। कमाने के लिए तो निजी अस्पतालों की दुकानें भरी पड़ी हैं। आज जरूरत है कि एमबी अस्पताल प्रशासन मुद्दे पर गंभीरता से पुनर्विचार करें। सोचें कि कहीं वहां बैठे लालची अफसरों, नेताओं और बेपरवाह जन प्रतिनिधियों के गलत फैसलों की वजह से ही तो अस्पताल में बेटियां असुरक्षित तो नहीं हो गई हैं। धर्मशाला की दरों को पुनः जनहित में कम किया जाए। यदि घाटे में चल रही है तो उदयपुर की जनता से चंदा लेकर चलाया जाए मगर दरें कम रखी जाएं ताकि किसी सुलभ शौचालय में मजबूरी में गई बेटी की अस्मत पर कोई हाथ नहीं डाल सके। जिला कलेक्टर यदि चाहें तो मामले में निर्णायक हस्तक्षेप कर सकते हैं और संवेदनशील निर्णय लेकर हजारों गरीब परिवारों को राहत दे सकते हैं। जनप्रतिनिधियों की इस मामले में लगातार चुप्पी चिंताजनक है। शायद गरीब की तकलीफ अब राजनीतिक मुद्दा नहीं रही। वरना जनजाति वर्ग की बालिका से बदसलूकी हो जाए और जनजाति वर्ग के जन प्रतिनिधियों की तरफ से कोई आवाज नहीं आए, यह हो ही नहीं सकता है। न अगर वे चाहें, तो यही मुद्दा जनविश्वास और वोट बैंक का आधार बना बन सकता है। अंततः सवाल यही है कि क्या सरकारी अस्पतालों में 'सेवा' अब सुविधा नहीं, बल्कि सौदेबाजी बन चुकी है? अगर हां, तो यह केवल व्यवस्था की नहीं, हमारी सामूहिक संवेदनशीलता की भी हार है।

राष्ट्रीय अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभः अग्निवीरों को श्रद्धांजलि, शहर में बनेंगे नए फायर स्टेशन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रीय अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ सोमवार को शहर में भावपूर्ण माहौल के बीच किया गया। इस दौरान अग्निशमन विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान शहीद हुए अग्निवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनके साहस और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, डीडीआर विनोद कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी तथा स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने कहा कि अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह का उद्देश्य केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि आमजन में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों, कार्यालयों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से रखें और उनके उपयोग की जानकारी भी सुनिश्चित करें। आयुक्त ने इस दौरान महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शहर में जल्द ही तीन नए फायर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे तथा अग्निशमन बेड़े में अत्याधुनिक उपकरण शामिल किए जाएंगे, जिससे आपात स्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सके। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के दौरान आगामी सात दिनों तक शहर के विभिन्न स्थानों पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत महाविद्यालयों, शॉपिंग मॉल, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी, ताकि आपातकालीन स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकासी और प्राथमिक बचाव के उपायों की व्यवहारिक जानकारी मिल सके। उन्होंने जानकारी दी कि सेंट पॉल स्कूल, मैरिएट होटल, जेके पारस हॉस्पिटल, ईएसआईसी हॉस्पिटल तथा महाराणा भोपाल हॉस्पिटल सहित प्रमुख स्थानों पर विशेष प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में शहीद अग्निशमन कार्मिकों को पुनः श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा फायर वाहनों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीप बग्गा ने किया। उन्होंने बताया कि सप्ताह के समापन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूरे सप्ताह की गतिविधियों की समीक्षा के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रभु रामजी के जयकारों के साथ हुई रामकथा की पूर्णाहुति

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अप्रेल। सर्वेश्वर महादेव मंदिर, डोरे नगर, सेक्टर 3 में श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर पाटोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय रामकथा के सातवें दिन पूर्णाहुति के कथा का समापन हुआ।

व्यासपीठ से कथावाचक पुष्कर दास महाराज ने कहा इंसान मनुष्य जन्म में ही सत्संग,भजन कर सकता है हम ईश्वर के अंश है। रामकथा दोनों हाथों की ताली है, राम कृपा बिना कोई भी कार्यक्रम सफल नहीं होता । सत्कर्म कभी दिखावे के लिए नहीं होना चाहिए, दिखावे से किया गया सत्कर्म या कोई भी कार्य कभी सफल नहीं होता । पद और सत्ता का नशा कभी नहीं उतरता, पंचवटी का मतलब पांच तत्व का पुतला, किसी को आदर देना वो सबसे बड़ी पूजा है । भक्ति प्राप्त होती है सत्संग में, संत मिलते है सत्संग से, चौपाई प्रथम भगति संतन कर संगा, रामकथा के सार को समझने की जरूरत है।

महाराज ने कहा सभी को नित्य रामायण का पाठ करना चाहिए हम कोई भी सत्कर्म, पूजा, पाठ करते है परन्तु जब तक सत्संग में नहीं बैठेंगे तब तक सत्कर्म की विधि का ज्ञान नहीं हो सकता । कथा को आगे बढ़ाते हुए शबरी का प्रसंग और नवधा भक्ति की चर्चा करते हुए राम सुग्रीव की मित्रता और बाली के वध का वर्णन किया । सुंदरकांड की व्याख्या करते हुए कहा कि प्रभु भक्ति के बिना जीवन कभी सुंदर नहीं हो सकता इसलिए रावण सीता रूपी भक्ति को लंका में ले गया और सबका उद्धार किया । रावण उच्च कुल का बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति था, शास्त्रों का सही तत्वार्थ नहीं समझने के कारण हम रामायण के सभी पात्रो को समझने में भूल कर जाते है । अध्यात्म मार्ग में शास्त्रों के अर्थ समझने के लिए सत्संग करना पड़ता है शास्त्र पढ़ने में और सत्संग करने में बहुत बड़ा अंतर है । दस इंद्रियों पर विजय प्राप्त हो वही विजयदशमी है कथा में राम राज्य का उत्सव मनाया ।

झल्लारा में भीषण आग से हड़कंप, आबादी तक पहुंचीं लपटें, दमकल मौके पर

24 न्यूज अपडेट

झल्लारा (सलूंबर), 14 अप्रैल। सलूंबर जिले के झल्लारा गांव में मंगलवार को अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। आग गांव की आबादी के पास खाली पड़ी जमीन में उगी झाड़ियों और लकड़ियों में लगी, जो हवा के साथ फैलते हुए घरों तक पहुंच गई। आग की लपटें जैसे ही रिहायशी क्षेत्र तक पहुंचीं, इलाके में हड़कंप मच गया और लोग घरों से बाहर निकल आए। स्थिति को गंभीर होता देख सलूंबर से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। इधर, ग्रामीण भी पीछे नहीं रहे और दर्जनों लोग अपने घरों की छतों पर चढ़कर पानी डालते हुए आग बुझाने में जुट गए। स्थानीय स्तर पर किए जा रहे इन प्रयासों के बावजूद तेज हवा के चलते आग धीरे-धीरे आसपास के क्षेत्रों की ओर बढ़ती रही, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आग पर जल्द काबू पाने के प्रयास जारी हैं। फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन सतर्कता बरती जा रही है।

पुलिस लाइन में एडि.एसपी मेवाड़ा ने परिंडे लगाकर की अभियान की शुरूआत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस लाइन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने परिंडे लगाकर राजस्थान समाज सेवा संस्थान उदयपुर के परिंडा अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर संचित निरीक्षक गुलाब सिंह एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने भी पुलिस लाइन परिसर में पक्षियों के लिए घोंसले और परिंडे लगाए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने संस्थान के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी तेज होने के साथ ही पक्षियों की सेवा के लिए परिंडा अभियान की शुरूआत की गयी है, तेज गर्मी के सीजन में पक्षियों के पानी के लिए परिंडे लगाना सबसे बड़ा सेवा कार्य है। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने नियमित रूप से परिंडों में पानी भरने और दाना डालने की जिम्मेदारी भी ली। इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष रीना जैन सहित संस्थान टीम मौजूद रही। संस्थान अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने बताया कि पुलिस लाइन से हमने अभियान की शुरूआत की है। अभियान के तहत आमजन को निशुल्क परिंडा वितरण के साथ ही सार्वजनिक पार्क सहित अन्य स्थानों पर भी परिंडे लगाए जाएंगे। इस सीजन 5000 परिंडे वितरित करने और लगाने का लक्ष्य है।

चंद्रशेखर जोशी अखिल भारतीय त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज संस्थान के राजनीतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अप्रैल। अखिल भारतीय त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज संस्थान की साधारण सभा में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के तहत चंद्रशेखर जोशी को संस्थान के राजनीतिक प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी हृदयानंद महाराज की अनुमति से राष्ट्रीय संयोजक भूपेंद्र कुमार पंड्या द्वारा की गई। राष्ट्रीय संयोजक भूपेंद्र कुमार पंड्या ने बताया कि चंद्रशेखर जोशी लंबे समय से धर्म, संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। उनके अनुभव और कार्यों को ध्यान में रखते हुए कोर कमेटी द्वारा साधारण सभा में उनकी नियुक्ति का निर्णय लिया गया, जिससे समाज को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

कुंभलगढ़ में पति ने पत्नी की हत्या, 12 घंटे में जंगल से गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद, 14 अप्रैल। केलवाड़ा थाना क्षेत्र के चदाना का वाड़ा गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पति ने पत्नी के सिर पर पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया, जिसे पुलिस ने 12 घंटे के भीतर कुंभलगढ़ के जंगलों से गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी मनमंथ आढा ने बताया कि मंगलवार सुबह गांव के लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां महिला केसकी बाई (उम्र लगभग 40 वर्ष) का शव उसके ही घर में खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला की हत्या उसके पति नरिंग (45) ने की है, जो घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने शव को केलवाड़ा स्थित हीरालाल देवपुरा सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाया। ग्रामीणों के अनुसार, मृतका रोज सुबह खेतों में काम करने जाती थी, लेकिन घटना वाले दिन वह नहीं पहुंची। जब एक ग्रामीण उसके घर पहुंचा तो महिला का शव खून से सना हुआ मिला, जिसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 12 घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी पति नरिंग को कुंभलगढ़ क्षेत्र के जंगलों से पकड़ लिया गया।

पीहर पक्ष ने दर्ज कराई रिपोर्ट

घटना के बाद मृतका के पीहर पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे और भाई शंकरलाल ने आरोपी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

अवैध शराब परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 35 कार्टन अंग्रेजी शराब व कार जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ऋषभदेव थाना पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 35 कार्टन अंग्रेजी शराब और एक कार जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा श्रीमती अंजना सुखवाल एवं वृताधिकारी ऋषभदेव श्री राजीव राहर के सुपरविजन में थानाधिकारी हेमंत अहारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार रात्रि गश्त के दौरान एक हुंडई कार को रोका गया, जिसमें 35 कार्टन अंग्रेजी शराब भरी हुई थी। पुलिस टीम को देखते ही चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन व शराब जब्त कर प्रकरण दर्ज किया है तथा फरार आरोपी की तलाश जारी है। टीम में शामिल अधिकारी व कार्मिकः थानाधिकारी हेमंत अहारी, सहायक उप निरीक्षक अनिल कुमार एवं कांस्टेबल रामनिवास।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत, चालक गंभीर घायल

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 14 अप्रैल। जिले के धंबोला थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पारडा दरियाटी निवासी किशन और उसका साथी प्रवीण बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। सीमलवाड़ा-राजपुर चौराहे के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में ट्रैक्टर चालक महावीर बैरवा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। पुलिस ने दोनों शवों को सीमलवाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है तथा परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पानी डूबने से युवक की मौत, आधे घंटे की मशक्कत के बाद मिला शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नई थाना क्षेत्र के रामवास पाई, अलसीगढ़ के पास मंगलवार दोपहर एक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 2:30 बजे घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद राजस्थान नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर के उप नियंत्रक दीपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश पर तत्काल रेस्क्यू टीम गठित कर मौके पर भेजी गई। मौके पर पहुंची टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पानी में तलाश शुरू की और करीब आधे घंटे बाद युवक का शव बरामद कर पुलिस थाना नई को सुपुर्द कर दिया। रेस्क्यू टीम में वाहन चालक बने सिंह गुर्जर तथा गोताखोर रवि शर्मा, कैलाश गमेती और मुकेश सेन शामिल रहे। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान शंकर लाल पुत्र केशु लाल हीरावत (25), निवासी रामवास पाई के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस दिवस 2026: फतहसागर की पाल पर गूंजेंगी देशभक्ति धुनें, 16 अप्रैल को मुख्य समारोह

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। "पुलिस दिवस समारोह 2026" के आयोजन को लेकर उदयपुर पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस मुख्यालय, राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार 16 अप्रैल 2026 को पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सेरेमोनियल परेड के साथ उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में उदयपुर रेंज के महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे, जबकि जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन द्वारा पुलिस कार्मिकों को सर्वोत्तम, अति उत्तम एवं उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के पश्चात पुलिस अधिकारियों व कार्मिकों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। पुलिस दिवस के अवसर पर आमजन, विशेषकर युवाओं को पुलिस से जोड़ने और उन्हें पुलिस कार्यप्रणाली से अवगत कराने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को शाम 6 बजे शहर के प्रमुख स्थल फतहसागर झील की पाल पर उदयपुर पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रभक्ति गीतों की धुनों का वादन किया जाएगा, जिससे आमजन में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा 15 अप्रैल को प्रातः 11 बजे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेजीडेंसी मधुबन में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित होगी। वहीं शाम 7 बजे पुलिस लाइन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सवाई माधोपुर एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की अनूठी पहलः अपने या परिजनों के जन्मदिन पर अवकाश ले सकेंगे पुलिसकर्मी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 14 अप्रैल। पुलिस की नौकरी की कठिन ड्युटी और तनावपूर्ण माहौल के बीच सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी पूरे महकमे में चर्चा हो रही है। एसपी ने पुलिसकर्मियों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अब उनके स्वयं के जन्मदिन, पत्नी, बच्चों और माता-पिता के जन्मदिन के विशेष अवसर पर आवेदन किये जाने पर आकस्मिक अवकाश देने का निर्णय लिया है।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार यदि कोई पुलिसकर्मी अपने या अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन पर अवकाश के लिए आवेदन करता है, तो उसे अनिवार्य रूप से स्वीकृत किया जाएगा। अक्सर पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी की व्यस्तता के कारण परिवार के महत्वपूर्ण क्षणों का हिस्सा नहीं बन पाते थे, जिससे उनमें मानसिक तनाव और अलगाव की स्थिति पैदा होती थी। इस नई व्यवस्था से न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि वे अधिक ऊर्जा और प्रसन्नता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर सकेंगे। एएसआई से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक को लाभ इस मानवीय पहल का लाभ महकमे के सबसे निचले स्तर तक पहुँचाया गया है। इसमें कांस्टेबल से लेकर सहायक उप निरीक्षक तक के पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। साथ ही पुलिस विभाग में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ल *चर्चा का विषय बनी सवाई माधोपुर पुलिस की संवेदनशीलता* सवाई माधोपुर पुलिस की इस पहल को पुलिसिंग में ह्यूमन टच के रूप में देखा जा रहा है। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की इस पहल की सोशल मीडिया और आमजन के बीच भी खूब सराहना हो रही है।

नशा माफिया पर झालावाड़ पुलिस की आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइकः तस्कर बबलू तंवर की 5.59 करोड़ की संपत्ति स्थाई फ्रीज

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 14 अप्रेल। झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में झालावाड़ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए 'ऑपरेशन दिव्य प्रहार 2.0' का सफल आगाज किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने फरार इनामी तस्कर बबलू तंवर और उसके सहयोगियों द्वारा नशे के कारोबार से अर्जित की गई 5 करोड़ 59 लाख 7 हजार 389 रुपये की चल-अचल संपत्तियों को स्थाई रूप से फ्रीज कर दिया है। कालीकमाईसेखड़ीकीथीआलीशानसल्तनत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भाग चन्द्र मीना ने बताया कि तस्कर बबलू तंवर निवासी पालखंदा थाना घाटोली लंबे समय से स्मैक तस्करी के अवैध कारोबार में लिप्त था। उसने तस्करी से प्राप्त अवैध आय के माध्यम से अपने और अपने सहयोगियों के नाम पर अकूत संपत्ति जुटाई थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि तस्कर ने आलीशान मकान, व्यापक कृषि भूमि और लग्जरी वाहनों का बेड़ा तैयार किया था। झालावाड़ पुलिस की एमओबी शाखा ने इन संपत्तियों का गोपनीय डेटाबेस तैयार किया, जिसके बाद घाटोली थाना पुलिस ने फ्रीजिंग की कार्यवाही को अंजाम दिया। संपत्तियों का विवरण और मूल्यांकन राजस्व विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभाग के समन्वय से की गई इस कार्यवाही में करीब 2.03 करोड़ रुपये मूल्य के 05 मकान, 3.01 करोड़ रुपये बाजार मूल्य की 08 विभिन्न कृषि भूमियां और 54.06 लाख रुपये मूल्य के दुपहिया, चौपहिया और जेसीबी सहित कुल 04 वाहन फ्रीज किया गया है। फ्रीज की गई इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 5,59,07,389/- है। सक्षम प्राधिकारी (दिल्ली) की लगी थानाधिकारी घाटोली द्वारा एनडीपीएस एक्ट की धारा 68F के तहत संपत्तियों को फ्रीज करने का प्रस्ताव दिल्ली स्थित सक्षम प्राधिकारी को भेजा गया था, जिसे विधिक रूप से अनुमोदित कर दिया गया है। अब तस्कर और उसके सहयोगी इन संपत्तियों का न तो उपयोग कर सकेंगे और न ही इन्हें बेच पाएंगे। इससे समाज में स्पष्ट संदेश गया है कि अपराध से अर्जित संपत्ति कभी स्थाई नहीं रहती।

इस सफल ऑपरेशन में एएसआई विभागीय जांच हेमन्त शर्मा, हेड कांस्टेबल एमओबी पिंकू मैरोठा, और साइबर टीम के कांस्टेबल वीकेश कुमार शर्मा व नितेश यादव की विशेष भूमिका रही। एसपी अमित कुमार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि 'ऑपरेशन दिव्य प्रहार 2.0' के माध्यम से पुलिस न केवल तस्करों को सलाखों के पीछे भेजेगी, बल्कि उनकी अवैध संपत्तियों को कुर्क कर उनके रसूख को भी पूरी तरह खत्म करेगी। जिले को नशामुक्त करने के लिए झालावाड़ पुलिस का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

निर्माणाधीन मकान से सरिया व इलेक्ट्रिक सामान चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सविना थाना क्षेत्र के डायमंड नगर, तितरड़ी में एक निर्माणाधीन मकान से लोहे एवं इलेक्ट्रिक सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी कपिल चौधरी पुत्र चांदमल चौधरी, निवासी सेक्टर 9 सविना, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके निर्माणाधीन मकान से एक कचरा बीनने वाली लड़की कट्टे में सरिया सहित अन्य सामान डालकर ले गई। आरोप है कि उक्त लड़की मकान में घुसकर लोहे का सामान, इलेक्ट्रिक सामग्री व अन्य वस्तुएं चोरी कर ले गई। पुलिस ने इस संबंध में धारा 303(2) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया है। घटना 13 अप्रैल को सामने आई, जिसके बाद प्रार्थी द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। मामले की जांच हेड कांस्टेबल दिग्विजय सिंह को सौंपी गई है। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में जांच-पड़ताल की जा रही है।

महिला अधिवक्ता के साथ अभद्रता और धमकी

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद, 14 अप्रैल। हाथीपोल थाना क्षेत्र के कोर्ट चौराहा क्षेत्र में एक महिला अधिवक्ता के साथ अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार प्रार्थिया मुस्कान पठान (22) निवासी संतोषी नगर, कांकरोली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक महिला ने उनके पास आकर उनके चेहरे पर थूक दिया और पूर्व में दर्ज कराई गई रिपोर्ट वापस लेने के लिए धमकाने लगी। आरोप है कि महिला ने उन्हें तेजाब डालकर बदसूरत बनाने और जिंदगी बर्बाद करने की धमकी भी दी। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी परवीन बानो पत्नी मोहसिन, निवासी कांकरोली के खिलाफ धारा 351(2), 352 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक अमृत लाल को सौंपी गई है। पुलिस द्वारा प्रकरण की जांच जारी है।

कुएं में मिला चरवाहे का शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव कुएं में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी रोहित ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दी कि उसके पिता रणछोड़ लाल डामोर (50), निवासी रोबिया फला, 11 अप्रैल की सुबह करीब 10:30 बजे बकरियां चराने के लिए घर से निकले थे, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों द्वारा तलाश करने पर खेत में स्थित कुएं के पास पहुंचे, जहां पानी में उनका शव दिखाई दिया। परिजनों ने घटना में किसी प्रकार का संदेह नहीं जताया है, फिर भी पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। मामले की जांच हेड कांस्टेबल दानवीर सिंह द्वारा की जा रही है।

तलवार लहराने का वीडियो डालने वाला बदमाश गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बाघपुरा थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर तलवार लहराते हुए वीडियो अपलोड कर आमजन में भय फैलाने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तलवार भी बरामद की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा श्रीमती अंजना सुखवाल एवं वृताधिकारी झाड़ोल श्री विवेक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी पवन पुत्र ननका उर्फ नका (25), निवासी मानस रण फला, थाना बाघपुरा ने इंस्टाग्राम पर तलवार लहराते हुए वीडियो अपलोड किया था, जिससे आमजन में भय का माहौल बन रहा था। इस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। टीम में शामिल अधिकारी व कार्मिकः थानाधिकारी वेलाराम, हेड कांस्टेबल गोपाल (1506), कांस्टेबल महेंद्र सिंह (2761), कांस्टेबल शंकरलाल (1028) एवं कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह (2548)।

65 साल के दूध कारोबारी पर हमले के लिए दी 1 लाख की सुपारी, मुख्य आरोपी सहित 2 गिरफ्तार, 3 फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुन्दा थाना पुलिस ने 65 वर्षीय वृद्ध दूध कारोबारी पर हुए जानलेवा हमले के मामले का बड़ा खुलासा करते हुए मुख्य साजिशकर्ता सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। पुलिस ने मामले को लूट और रंजिश आधारित सुनियोजित हत्या प्रयास बताया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय गोपाल स्वरूप मेवाड़ा तथा पुलिस उप अधीक्षक गिर्वा गोपाल चंदेल के सुपरविजन में थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर यह कार्रवाई की गई।

ऐसे दिया गया वारदात को अंजाम

प्रकरण के अनुसार 3 अप्रैल 2026 को प्रार्थी हरिश पालीवाल ने रिपोर्ट दी कि उनके बड़े पापा शंकरलाल पालीवाल (65) गत 2 अप्रैल की शाम वणी गांव से दूध लेकर गोगुन्दा लौट रहे थे। इसी दौरान आशापुरा होटल से पहले तीन बदमाशों ने मोटरसाइकिल से उनका पीछा किया और सुनसान स्थान पर रोक लिया। आरोपियों ने पहले पैसे की मांग की और विरोध करने पर चाकू से पैरों, हाथों और पीठ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल शंकरलाल सड़क पर गिर पड़े, जबकि हमलावर उन्हें मृत समझकर मौके से फरार हो गए। घटना में चाकू पीड़ित की पीठ में फंसा रह गया था।

100 से अधिक CCTV कैमरों से खुला राज पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए गोगुन्दा, जसवंतगढ़, बेकरिया, सायरा, ईसवाल, उदयपुर, झाड़ोल और ओगणा क्षेत्र में लगे करीब 100 से अधिक CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल लोकेशन और पुराने अपराधियों की जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और पूरी साजिश का खुलासा किया।

रंजिश बनी हत्या प्रयास की वजह जांच में सामने आया कि पीड़ित शंकरलाल पालीवाल और मुख्य आरोपी लक्ष्मण सिंह दोनों दूध का व्यवसाय करते हैं और एक ही क्षेत्र में सप्लाई करते हैं। शंकरलाल का कारोबार बेहतर चलने से लक्ष्मण सिंह उनसे रंजिश रखने लगा। इसी ईर्ष्या और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते उसने हत्या की योजना बनाई।

एक लाख रुपए में तय हुई सुपारी

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी लक्ष्मण सिंह ने अपने पुराने परिचित मनोहर सिंह से संपर्क कर हत्या की योजना बनाई। इसके बाद मनोहर सिंह ने मनीष गमेती को एक लाख रुपए की सुपारी देकर वारदात को अंजाम देने का सौदा तय किया। मनीष ने आगे विरेन्द्र सिंह उर्फ विजु बन्ना और टिकमचंद को शामिल किया। इसके बाद सभी आरोपी 2 अप्रैल की शाम वणी गांव के आसपास सुनसान इलाके में छिपकर शिकार का इंतजार करते रहे और जैसे ही शंकरलाल वहां से गुजरे, हमला कर दिया गया।

गिरफ्तार व फरार आरोपी

पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है— लक्ष्मण सिंह (मुख्य साजिशकर्ता), निवासी वणी, थाना गोगुन्दा, टिकमचंद, निवासी रामा, थाना सुखेर जबकि तीन आरोपी अभी फरार हैं— मनीष गमेती, विरेन्द्र सिंह उर्फ विजु बन्ना मनोहर सिंह इनके नाम हैं। पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका थाना गोगुन्दा थानाधिकारी श्री श्याम सिंह पु.नि., थाना झाड़ोल थानाधिकारी श्री फेलीराम, सउनि श्री हरिसिंह, सउनि श्री विनेश कुमार, सउनि श्री भरत सिंह, हेड कांस्टेबल श्री रघुनाथ (1101), कांस्टेबल श्री भूपेन्द्र सिंह (387) (विशेष भूमिका), कांस्टेबल श्री प्रदीप कुमार (3083) (विशेष भूमिका), कांस्टेबल श्री सत्यनारायण (1316) (विशेष भूमिका), कांस्टेबल श्री राजेन्द्र (1940) (विशेष भूमिका), कांस्टेबल श्री विरेन्द्र (2413) (विशेष भूमिका), कांस्टेबल श्री नारायण सिंह (1745), कांस्टेबल श्री रामस्वरूप (1274), कांस्टेबल श्री योगेन्द्र (1080), कांस्टेबल श्री सतीश (1313), कांस्टेबल श्री दीपेन्द्र (1391), कांस्टेबल श्री परमार (1655), कांस्टेबल श्री प्रताप सिंह (1598), कांस्टेबल श्री शिवसिंह (831) एवं साइबर सेल उदयपुर से श्री लोकेश रायकवाल।

डॉ. अंबेडकर जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि, विचारों को अपनाने का संदेश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अप्रैल। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मेवाड़ प्रताप दल सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्थान के सदस्यों ने बाबा साहेब की तस्वीर पर उपरना पहनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थान के जिला सचिव राकेश पालीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत अस्थियों के विसर्जन के बाद पुष्कर पहुंचकर अतिथियों द्वारा डॉ. आंबेडकर के विचारों पर उद्बोधन दिया गया। वक्ताओं ने उनके सामाजिक न्याय, समानता और संविधान निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक लाला सालवी, जिला अध्यक्ष ओंकार जोशी, महिला अध्यक्ष मंजु गहलोत, नरेंद्र मनौती, शैलेन्द्र घावरी, कांतिलाल बोड़ात, शेरसिंह राठौड़, भेरूलाल सालवी, सुरेन्द्र सोनी, प्रीतम सिंह चौहान और खुशलेन्द्र कुमावत सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में एकता, समानता और शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

भूपालसागर में हर्षोल्लास से मनाई गई बाबासाहेब की 135वीं जयंती, विशाल रैली व जनसभा आयोजित

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग)। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को उपखंड मुख्यालय स्थित अंबेडकर भवन में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। अंबेडकर विचार मंच के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन और युवाओं की भागीदारी रही। कार्यक्रम की शुरुआत बैरवा मोहल्ला से निकली विशाल रैली के साथ हुई, जो संतोषी माता मंदिर एवं नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरी। रैली के दौरान युवा और समाजजन भीम गीतों पर झूमते नजर आए। रैली का समापन अंबेडकर भवन में आयोजित विशाल जनसभा के रूप में हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए उपखंड अधिकारी महेश गगोरिया ने कहा कि बाबासाहेब के विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक शिक्षित एवं संगठित समाज का निर्माण संभव है। तहसीलदार अपूर्व गौतम तथा पूर्व विधायक शंकरलाल बैरवा ने भी बाबासाहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम पंचायत प्रशासक प्यारचंद भील ने बताया कि कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर द्वारा अंबेडकर भवन की चारदीवारी निर्माण की घोषणा की गई है, जिसका उपस्थित जनसमूह ने स्वागत किया। इस अवसर पर अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण सिंह चुंडावत, पूर्व समाज कल्याण अधिकारी भेरूलाल खरेलवा, पंचायत समिति सदस्य सुरेश चंद्र गाडरी, कैलाश चंद्र रैगर, अशोक कुमार चपलोत, अंकित अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, राजू तेली, राजू रावत, पूर्व सरपंच रैना खरेलवा एवं एडवोकेट निर्मल मीणा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों का उपरना पहनाकर एवं बाबासाहेब की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन किशन लाल बैरवा ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ, जिसके पश्चात उपस्थित लोगों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

भूपालसागर में गूंजा 'जय भीम', जेसीबी से पुष्पवर्षा के बीच निकला भव्य जुलूस

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग)। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को भूपालसागर कस्बा 'जय भीम' के नारों और उत्साह से सराबोर नजर आया। नीले झंडों और गूंजते आंबेडकर गीतों के बीच निकले भव्य जुलूस में जनसैलाब उमड़ पड़ा। आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जुलूस पर जेसीबी मशीनों से पुष्पवर्षा की गई। संतोषी माता मंदिर प्रांगण से शुरू हुआ जुलूस कपासन रोड, बस स्टैंड, आजाद चौक और जाशमा रोड सहित प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान सैकड़ों युवा हाथों में नीले झंडे थामे डीजे पर बज रहे भीम गीतों की धुन पर थिरकते नजर आए। पूरे मार्ग में 'जय भीम' और 'जब तक सूरज चांद रहेगा, बाबा तेरा नाम रहेगा' जैसे नारों से माहौल गुंजायमान रहा। जुलूस का मुख्य आकर्षण 'भीम रथ' रहा, जिसे नीले गुब्बारों और फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रथ में स्थापित बाबा साहब की छवि के समक्ष युवाओं ने श्रद्धा व्यक्त की और उनके विचारों के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। नगर भ्रमण के बाद जुलूस डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार पहुंचा, जहां अनुयायियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहब को नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इसके पश्चात अंबेडकर भवन में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने संविधान निर्माण में बाबा साहब के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एएसआई तेजमल और एएसआई असरार खान पठान के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की कड़ी निगरानी के बीच पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ।

संत कंवरराम साहिब का 141वां जन्मोत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अप्रैल। संत कंवरराम मोहल्ला पंचायत, उदयपुर द्वारा कोठीबाग स्थित मंदिर में संत कंवरराम साहिब का 141वां जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर संत के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। पंचायत अध्यक्ष राजेश खत्री ने बताया कि आयोजन की शुरुआत कॉलोनी की महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन से हुई, जिसमें संत कंवरराम साहिब को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भक्ति गीतों के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। भजन-कीर्तन के पश्चात विधिवत आरती की गई। आरती के बाद श्रद्धालुओं ने पल्लव धारण कर सभी के सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के अंत में कुहर एवं कड़ावे के साथ हाथ प्रसादी का वितरण किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। इस अवसर पर पंचायत के संरक्षक प्रताप कारड़ा, खानपुर पंचायत अध्यक्ष किशन वाधवानी, किशन कटारिया, गोपीचंद रामेजा, पुष्पराज साहित्य, हरिराम राजानी, चंदलाल राजानी, नवीन कारड़ा, प्रताप वाधवानी, सुरेश साधवानी, अनिल रामेजा, महेश चावला, रवि कटारिया, शमन लाल, जानकी देवी, शांति देवी, ज्ञानी देवी, ज्योति खत्री, रोमा देवी, आशा देवी तलरेजा, जयवंती, अरुण कारड़ा, नरेश मंदवानी, राहुल कटारिया, सतीश कारड़ा, विजय कारड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी पंचायत के संरक्षक प्रताप कारड़ा द्वारा दी गई।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में हार्टफुलनेस के निःशुल्क ध्यान सत्र का प्रस्ताव, प्रधानाचार्य का अभिनंदन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अप्रैल। हार्टफुलनेस संस्थान, उदयपुर के प्रतिनिधियों ने आरएनटी मेडिकल कॉलेज के नवनियुक्त प्रधानाचार्य डॉ. राहुल जैन से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान संस्थान के केंद्र समन्वयक एवं प्रशिक्षक डॉ. राकेश दशोरा व अन्य सदस्यों ने डॉ. जैन को उपरणा ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा पूज्य दाजी द्वारा लिखित आध्यात्मिक पुस्तक 'होली तीर्थंकर' भेंट की। भेंट के दौरान वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन की बढ़ती आवश्यकता पर चर्चा की गई। डॉ. दशोरा ने मेडिकल कॉलेज एवं उससे जुड़े चिकित्सालयों में उपचाराधीन मरीजों, उनके परिजनों और चिकित्सा कार्मिकों के लिए निःशुल्क ध्यान सत्र आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। प्रधानाचार्य डॉ. राहुल जैन ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रायोगिक तौर पर कार्डियोलॉजी विभाग से शुरू करने पर सहमति जताई। इसके लिए उन्होंने विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश शर्मा से समन्वय कर सत्रों के आयोजन के निर्देश दिए। हार्टफुलनेस प्रतिनिधियों ने बताया कि इन सत्रों का उद्देश्य अस्पताल के वातावरण में सकारात्मकता बढ़ाना और तनावपूर्ण परिस्थितियों में कार्य कर रहे डॉक्टरों व स्टाफ को मानसिक संबल प्रदान करना है। इस अवसर पर प्रशिक्षक सुबोध शर्मा, डॉ. रीता नागपाल, प्रफुल गांधी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

MLSU के जैनोलॉजी एवं प्राकृत विभाग में अस्थायी LDC सह रिसर्च असिस्टेंट पद पर वॉक-इन इंटरव्यू कल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज (UCSSH) के जैनोलॉजी एवं प्राकृत विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक परियोजना के तहत अस्थायी पद पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। विभाग ने LDC सह रिसर्च असिस्टेंट (ऑफिस स्टाफ) के पद पर नियुक्ति के लिए 15 अप्रैल को वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित करने की घोषणा की है। यह भर्ती प्रोजेक्ट के अंतर्गत की जा रही है, जिसका विषय "प्राकृत भगवती आराधना की अप्रकाशित पांडुलिपि 'दीपिका-वृत्ति' का संपादन एवं अध्ययन" है। यह परियोजना प्राकृत साहित्य और जैन अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों को 15 अप्रैल को सुबह 10 बजे विभाग में उपस्थित होकर सीधे इंटरव्यू में भाग लेना होगा। यह नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी आधार पर की जाएगी और किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, शर्तें एवं आवेदन प्रारूप विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं। अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। इस भर्ती प्रक्रिया का नेतृत्व परियोजना के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. सुमत कुमार जैन द्वारा किया जा रहा है, जो जैनोलॉजी एवं प्राकृत विभाग से जुड़े हुए हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।